परमेश्वर
आपसे
प्रेम
करता है

परमेश्वर आपसे प्रेम करता है

क्या आप जानते है की कौन आप को सबसे ज्यादा प्रेम करता है? यह सर्वश-क्तिमान, परमेश्वर, हमारा सृष्टिकर्ता है (प्रकाशित वाक्य 1:8; उत्पति 1:26, 27; 2:7)। यह अनन्तकाल का परमेश्वर आप से बहुत प्रेम करता है इस लिए उसने येशु मसीह, अपने इकलौते पुत्र को, क्रूस पर मरने के लिए भेज दिया, ताकि आपके पापों को माफ़ किया जा शके (लूका 23:24)।

क्या आप जानते है की परमेशवर आपसे इतना प्रेम क्यों करता है? वह प्यार करने वाला परमेश्वर है जिसने आपको अपने स्वरुप में बनाया है। आप की आत्मा कभी नहीं मरेगी और यह परमेश्वर के लिए पूरे संसार से भी अधिक मूल्यवान है (मत्ती 16:26)।

परमेश्वर आपसे प्रेम करता है, लेकिन पाप से घृणा करता है और उसका न्याय करेगा। पाप परमेश्वर के मन को खेदित करता है; ये आप को परमेश्वर से अलग करता है। न्याय के दिन, मसीह पापियों से कहेगा, “हे श्रापित लोगो, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है”; “.... परन्तु धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे” (मत्ती 25:41, 46)।

क्योंकि पहेले पुरुष आदम ने परमेश्वर की आज्ञा को नहीं माना, इस लिए पाप, श्राप, बिमारी और मृत्युने इस संसार में प्रवेश किया; हम सब पापी बन गए, और नरक में अनन्त काल के आग के दोषी ठहराए गए। फिर भी परमेश्वर मानव जाति से प्रेम करता है, जिस को उसने बनाया है, और उनको मसीह की मृत्यु के द्‌वारा छुडाया है और उन सभी आशीषो को पुनःस्थापित किया है जो आदम ने पाप और परमेश्वर की आज्ञा न मानने के कारण खो दिया था (रोमियों 5:1-21; इफिसियों 1:3-14)।

येशु आपकी जगह मरा ताकि आप पर कोई दोष न लगे, लेकिन अगर आप उस पर अपने विश्वास को रखते है तो स्वर्ग में परमेश्वर के साथ जिए। “क्योंकि पाप की मज़दूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह येशु में अनन्त जीवन है” (रोमियों 6:23)।

आप देख सकते हैं कि परमेश्वर आपसे कितना प्यार करता है। उसने आपको

बचाने के लिए अपने स्वर्गदूतों में से एक को नहीं भेजा, लेकिन उसने आपको बचाने के लिए अपने इकलौते पुत्र को इस संसार में भेजा क्योंकि वो आपसे प्रेम करता है। येशु ने कहा, “क्योंकि परमेश्वरने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए” (योहान 3:16)। हालाकि, परमेश्वर पवित्र और न्यायि है। वह आपको तभी अपनाएगा जब आप पश्च्याताप करेंगे और आप के पापों के लिए येशु मसीह के बलिदान को स्वीकार करेंगे (युहन्ना 3:3; रोमियों 3:24-26)। येशु ने कहा, “मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो” (मरकुस 1:15)। इसलिए, पश्चाताप करें और विश्वास करें कि केवल यीशु मसीह ही आपके पापों के लिए मरा और उसे अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में अपने हृदय में ग्रहण करें। परमेश्वर निश्चित रूप से यीशु के रक्त से आपके सभी पापों को धो देंगे और आपको निष्कलंक बना देंगे। जब आप परमेश्वर के वचन को सुनेंगे और उनकी आज्ञाओं को मानेंगे तब पवित्र आत्मा आपके जीवन को बदल देगा और आपको नया हृदय देगा। वह आपको पवित्र करेगा और आपको उनके प्रेम, आनंद और शांति, बुध्धि और सामर्थ से भरेगा और आपको उनके राज्य के लिए जीनेका मार्गदर्शन करेगा।

प्यारे मित्र, सर्वशक्तिमान ईश्वर के वचन का पालन करें जो आपसे प्यार करता है। अभी पश्च्याताप करे और परमेश्वर की और मुड़े। आपके पास केवल एक ही जीवन है, आप अचानक मर सकते हैं; आप नहीं जानते कब और कैसे। लेकिन परमेश्वर उनकी दया में, आपको अनंत काल के लिए खुद को तैयार करने का मौका देता है। परमेश्वर की क्षमा के बगैर, आप आग की झील में डाल दिए जाओगे “जहा आपकी आत्मा नहीं मारती और आग नहीं बुझती” (मरकुस 9:47, 48)। मृत्यु के बाद क्षमा नहीं है, लेकिन परमेश्वर का न्याय का होना है (इब्रानियों 9:27)। येशु मसीह पुनरुत्थान और जीवन है। वह आपको मरे हुओ में से जिलाएगा और आप के कामों के अनुसार आपका

न्याय करेगा (युहन्ना 11:25; युहन्ना 5:24-29)। अब सोचे और कार्य करे। मृत्यु के समय आपको, परमेश्वर, उनका न्याय और अनन्तकाल का सामना करना पडेगा।

स्वीकार करे की आप पापी है। आप को एक उद्धारकर्ता, प्रभु येशु मसीह की आवश्यकता है, जो आप को आप के पापों से छुड़ा सकता है ताकि आप परमेश्वर के क्रोध और आने वाले न्याय से बच जाए। अब आप सच्चे मन से यह प्रार्थना करने के द्वारा परमेश्वर से अपने पापों की क्षमा मांगे।

प्रार्थना

“प्यारे परमेश्वर, मुझे क्षमा करे, में एक पापी और मृत्यु की सजा का हकदार हू जिस सजा को येशु मसीह ने अपने ऊपर ले लिया। मुझे अपने सारे पापों के लिए बहुत खेद है और अब में आप की ओर मुड़ता हू। में कबूल करता हू और विश्वास करता हू की आपका इकलौता पुत्र येशु मसीह, जिन्होंने कष्टों को उठाया और क्रूस पर मर गए, जिनको गाड़ा गया और मुझे छुडाने के लिए फिर से जीवित हुए। कृपया मुझे येशु के खून से साफ़ करे और मुझे अपनी संतान बनाए। में येशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता और अपने जीवन के प्रभु के रूप में अपने ह्रदय में आमंत्रित करता हू। आज से ही आप के लिए जीवन जीने में मेरी सहायता करे। मेरे पिता, मेरी आत्मा को बचाने के लिए आपका धन्यवाद, येशु के नाम से! आमीन.”

क्या ही सौभाग्य है जीवित परमेश्वर की संतान होने का! हंमेशा आपको बचाने के लिए येशु का धन्यवाद।